जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जी फसलों पर करना होगा अनुसन्धानः डा0 राजेश

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है इसलिए सब्जी उत्पादको हेतु लाभप्रद एवं नवीन तकनीकी विकसित करने के लिए सब्जी वैज्ञानिकों को परिवर्तित जलवायु के अनुकूल सब्जी फसलों पर अनुसंधान करना होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग, कल्याणपुर पर संचालित अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना की शोध गतिविधियों के अनुश्रवण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आए डॉ0 राजेश कुमार, परियोजना समन्वयक सब्जी फसल, द्वारा कही गई। डॉ0 राजेश कुमार ने कहा कि सब्जी फसलों में कीट एवं रोगों के साथ.साथ खरपतवारों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने के कारण सब्जी फसलों की प्रजातियां अपनी अनुवांशिक

क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही है। इसलिए सब्जी वैज्ञानिकों को किसानों की मांग एवं स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कीट एवं रोग प्रबंधनए खरपतवार प्रबंधन तथा जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल विकसित करने होंगे ताकि अधिक उत्पादन प्राप्त कर सब्जी उत्पादक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक डॉव राजेश कुमार द्वारा शोध छात्रों के साथ संवाद करते हुए कहा कि विश्व में सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है लेकिन फिर भी प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता कम है। उन्होंने कहा कि सब्जी बीजों के मामले में सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा निजी क्षेत्रों से है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं को अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां विकसित करने के साथ.साथ बीज उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जाना वर्तमान समय की मांग है। अनुश्रवण के समय डॉव डीव पीव सिंह प्रभारी अधिकारीए डॉव राजीव, डॉ0 पी0के0 तिवारी एवं डॉव भूपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अपने अपने शोध परीक्षणों का स्थलीय प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ0 आर0बी0 सिंह के साथ.साथ सब्जी विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जी फसलों पर करना होगा शोध

डीटीएनएन

जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है इसलिए सब्जी उत्पादको हेतु लाभप्रद एवं नवीन तकनीकी विकसित करने के लिए सब्जी वैज्ञानिकों को परिवर्तित जलवायु के अनुकूल सब्जी फसलों पर अनुसंधान करना होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग, कल्याणपुर पर संचालित अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना की शोध गतिविधियों के अनुश्रवण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आए डॉश राजेश कुमार, परियोजना समन्वयक (सब्जी फसल) द्वारा कही गई। डॉश राजेश कुमार ने कहा कि सब्जी फसलों में कीट एवं रोगों के साथ-साथ खरपतवारों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने के कारण सब्जी फसलों की प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही है। इसलिए सब्जी वैज्ञानिकों को किसानों की मांग एवं स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कीट एवं रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन तथा जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल विकसित करने होंगे ताकि अधिक उत्पादन प्राप्त कर सब्जी उत्पादक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक डॉश राजेश कुमार द्वारा शोध छात्रों के साथ संवाद करते हुए कहा कि विश्व में सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है लेकिन फिर भी प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता कम है। उन्होंने कहा कि सब्जी बीजों के मामले में सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा निजी क्षेत्रों से है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं को अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां विकसित करने के साथ-साथ बीज उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जाना वर्तमान समय की मांग है। अनुश्रवण के समय डॉश डीश पीश सिंह प्रभारी अधिकारी, डॉश राजीव, डॉश पीश केश तिवारी एवं डॉश भूपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अपने अपने शोध परीक्षणों का स्थलीय प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉश आरश बीश सिंह के साथ-साथ सब्जी विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 171 कानपुर, शुक्रवार 22 दिसम्बर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जी फसलों पर करना होगा अनुसंधान

कानपुर । जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है इसलिए सब्जी उत्पादको हेतु लाभप्रद एवं नवीन तकनीकी विकसित करने के लिए सब्जी वैज्ञानिकों को परिवर्तित जलवायु के अनुकूल सब्जी फसलों पर अनुसंधान करना होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग, कल्याणपुर पर संचालित अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना की शोध गतिविधियों के अनुश्रवण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आए डॉ॰ राजेश कुमार, परियोजना समन्वयक (सब्जी फसल) द्वारा कही गई। डॉ॰ राजेश कुमार ने कहा कि सब्जी फसलों में कीट एवं रोगों के साथ-साथ खरपतवारों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने के कारण सब्जी फसलों की प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही है। इसलिए सब्जी वैज्ञानिकों को किसानों की मांग एवं स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कीट एवं रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन तथा जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल विकसित करने होंगे ताकि अधिक उत्पादन प्राप्त कर सब्जी उत्पादक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक डॉ॰ राजेश कुमार द्वारा शोध छात्रों के साथ संवाद करते हुए कहा कि विश्व में सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है लेकिन फिर भी प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता कम है। उन्होंने कहा कि सब्जी बीजों के मामले में सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा निजी क्षेत्रों से है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं को अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां विकसित करने के साथ-साथ बीज उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जाना वर्तमान समय की मांग है।

अनुश्रवण के समय डॉ॰ डी॰ पी॰ सिंह प्रभारी अधिकारी, डॉ॰ राजीव, डॉ॰ पी॰ के॰ तिवारी एवं डॉ॰ भूपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अपने अपने शोध परीक्षणों का स्थलीय प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ॰ आर॰ बी॰ सिंह के साथ-साथ सब्जी विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

दैनिक नगर छाया आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com
कानपुर छाया
कानपुर 22 दिसम्बर, 2023

छात्र-छात्राओं हेतु हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के एग्री -बिज़ीनेस मैनेजमेंट विभाग मे अकादमिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया.जिसमे एम. बी. ए. के छात्रों को नई शिक्षा नीति व कृषि शिक्षा, व्यवसाय प्रबंधन, व तकनीकी शिक्षा की जानकारी दी गयी. कुलपति डा आनंद कुमार सिंह जी ने बच्चो को बेहतर से बेहतरीन करने के टिप्स दिए वही गेस्ट ऑफ स्पीकर डा प्रवीण कटियार (प्रॉक्टर सी. एस. जे. एम. विश्व विद्यालय) ने वैलनेस और वेल बीइंग लाइफ के बारे मे बताया। उन्होंने शिक्षा को स्वास्थ्य से जोड़ते हुए 08 घंटे पढ़ने 08 घंटे सोने और 08घंटे खेलने के फॉर्मूले को उतारने के लिए बताया।

डा सी. एल.मौर्या डीन कृषि संकाय ने स्वागत परिचय कराया, डा नीतू ने विभाग की विषयवार प्रस्तावना डा अंशु सिंह सेंगर सभी अथितियों का शाल व मोमेंटो देकर स्वागत किया व विभाग की तरफ से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम मे डारेक्टर रिसर्च डा पी. के. सिंह, डायरेक्टर सीड डा विजय यादव, डायरेक्टर साग भाजी डा रामबटुक सिंह, डा अनिल सचान, डा विवेक कटियार, डा सौरभ सोनकर, डा अभिनव सिंह, डा शक्ति सिंह व एम. बी. ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 171 कानपुर, शुक्रवार 22 दिसम्बर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

एग्री बिजनेस मैनेजमेंट के प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं हेतु हुआ ओरिएंटेशन

कानपुर । सीएसए के एग्री -बिज़ीनेस मैंनेजमेंट विभाग में अकादमिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया.जिसमे एम. बी. ए. के छात्रों को नई शिक्षा नीति व कृषि शिक्षा, व्यवसाय प्रबंधन, व तकनीकी शिक्षा की जानकारी दी गयी कुलपति डा आनंद कुमार सिंह जी ने बच्चो को बेहतर से बेहतरीन करने के टिप्स दिए वही गेस्ट ऑफ़ स्पीकर डा प्रवीण कटियार (प्रॉक्टर सी. एस. जे. एम. विश्व विद्यालय) ने वैलनेस और वेल बीइंग लाइफ के बारे मे बताया। उन्होंने शिक्षा को स्वास्थ्य से जोड़ते हुए 08 घंटे पढ़ने 08 घंटे सोने और 08घंटे खेलने के फॉर्मूले को उतारने के लिए बताया। डा सी. एल.मौर्या डीन कृषि संकाय ने स्वागत परिचय कराया, डा नीतू ने विभाग की विषयवार प्रस्तावना डा अंशु सिंह सेंगर सभी अथितियों का शाल व मोमेंटो देकर स्वागत किया व विभाग की तरफ से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम मे डारेक्टर रिसर्च डा पी. के. सिंह, डायरेक्टर सीड डा विजय यादव, डायरेक्टर साग भाजी डा रामबटुक सिंह, डा अनिल सचान, डा विवेक कटियार, डा सौरभ सोनकर, डा अभिनव सिंह, डा शक्ति सिंह व एम. बी. ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जी फसलों पर करना होगा अनुसन्धानः डा. राजेश कुमार

रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन व जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल करने होंगे विकसित

कानपुर। जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है इसलिए सब्जी उत्पादको हेतु लाभप्रद एवं नवीन तकनीकी विकसित करने के लिए सब्जी वैज्ञानिकों को परिवर्तित जलवायु के अनुकूल सब्जी फसलों पर अनुसंधान करना होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग, कल्याणपुर पर संचालित अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना की शोध गतिविधियों के अनुश्रवण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आए डॉ. राजेश कुमार, परियोजना समन्वयक (सब्जी फसल) द्वारा कही गई। डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि सब्जी फसलों में कीट एवं रोगों के साथ-साथ खरपतवारों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने के कारण सब्जी फसलों की प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही है। इसलिए सब्जी वैज्ञानिकों को किसानों की मांग एवं स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कीट एवं रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन तथा जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल विकसित करने होंगे ताकि अधिक उत्पादन प्राप्त कर सब्जी उत्पादक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश कुमार द्वारा शोध छात्रों के साथ संवाद करते हुए कहा कि विश्व में सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है लेकिन फिर भी प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता कम है। उन्होंने कहा कि सब्जी बीजों के मामले में सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा निजी क्षेत्रों से है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं को अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां विकसित करने के साथ-साथ बीज उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जाना वर्तमान समय की मांग है। अनुश्रवण के समय डॉ. डी.पी. सिंह प्रभारी अधिकारी, डॉ. राजीव, डॉ. पी.के. तिवारी एवं डॉश भूपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अपने अपने शोध परीक्षणों का स्थलीय प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह के साथ-साथ सब्जी विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

सीएसए में छात्र- छात्राओं हेतु हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय के एग्री-बिज़ीनेस मैनेजमेंट विभाग मे आज अकादमिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गयी जिसमे एमबीए के छात्रों को नई शिक्षा नीति व कृषि शिक्षाए व्यवसाय प्रबंधनए व तकनीकी शिक्षा की जानकारी दी गयी।कुलपति डा आनंद कुमार सिंह जी ने बच्चो को बेहतर से बेहतरीन करने के टिप्स दिए वही गेस्ट ऑफ़ स्पीकर डा प्रवीण कटियार प्रॉक्टर सीएसजेएम विश्व विद्यालय, ने वैलनेस और वेल बीइंग लाइफ के बारे मे बताया। उन्होंने शिक्षा को स्वास्थ्य से जोड़ते हुए 08 घंटे पढ़ने 08 घंटे सोने और 08घंटे खेलने के फॉर्मूले को उतारने के लिए बताया। डा सी0एल0 मौर्या डीन कृषि संकाय ने स्वागत परिचय कराया, डा नीतू ने विभाग की विषयवार प्रस्तावना डा अंशु सिंह सेंगर सभी अथितियों का शाल व मोमेंटो देकर स्वागत किया व विभाग की तरफ से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम मे डारेक्टर रिसर्च डा पी0के0 सिंह, डायरेक्टर सीड डा विजय यादव, डायरेक्टर साग भाजी डा रामबटुक सिंह, डा अनिल सचान, डा विवेक कटियार, डा सौरभ सोनकर, डा अभिनव सिंह, डा शक्ति सिंह व एमबीए प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र मौजूद रहे।

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com
कानपुर छाया
कानपुर
22 दिसम्बर, 2023

जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सब्जी फसलों पर करना होगा अनुसन्धानः डा. राजेश कुमार

कानपुर (नगर छाया समाचार)। जलवायु में निरंतर परिवर्तन हो रहा है इसलिए सब्जी उत्पादको हेतु लाभप्रद एवं नवीन तकनीकी विकसित करने के लिए सब्जी वैज्ञानिकों को परिवर्तित जलवायु के अनुकूल सब्जी फसलों पर अनुसंधान करना होगा। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग, कल्याणपुर पर संचालित अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना की शोध गतिविधियों के अनुश्रवण हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आए डॉ॰ राजेश कुमार, परियोजना समन्वयक (सब्जी फसल) द्वारा कही गई। डॉ॰ राजेश कुमार ने कहा कि सब्जी फसलों में कीट एवं रोगों के साथ-साथ खरपतवारों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति कमजोर होने के कारण सब्जी फसलों की प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही है। इसलिए सब्जी वैज्ञानिकों को किसानों की मांग एवं

स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कीट एवं रोग प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन तथा जैविक खेती के नवीन मॉड्यूल विकसित करने होंगे ताकि अधिक उत्पादन प्राप्त कर सब्जी उत्पादक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक डॉ॰ राजेश कुमार द्वारा शोध छात्रों के साथ संवाद करते हुए कहा कि विश्व में सब्जी उत्पादन के मामले में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है लेकिन फिर भी प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता कम है। उन्होंने कहा कि सब्जी बीजों के मामले में सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा निजी क्षेत्रों से है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं को अत्यधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां विकसित करने के साथ-साथ बीज उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जाना वर्तमान समय की मांग है। अनुश्रवण के समय डॉ॰ डी॰ पी॰ सिंह प्रभारी अधिकारी, डॉ॰ राजीव, डॉ॰ पी॰ के॰ तिवारी एवं डॉ॰ भूपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अपने अपने शोध परीक्षणों का स्थलीय प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ॰ आर॰ बी॰ सिंह के साथ-साथ सब्जी विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

अमर उजाला 22/12/2023

छात्रों को दी व्यवसाय प्रबंधन की जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विवि के एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट विभाग में अकादमिक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन हुआ। छात्रों को नई शिक्षा नीति व कृषि शिक्षा, व्यवसाय प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा की जानकारी दी गई। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बच्चों को बेहतर से बेहतरीन करने के टिप्स दिए। डॉ. प्रवीण कटियार ने वेलनेस और वेल बीइंग लाइफ के बारे मे बताया। डीन कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्या ने स्वागत परिचय कराया। डॉ. नीतू ने विभाग की विषयवार प्रस्तावना और डॉ. अंशु सिंह सेंगर अतिथियों को सम्मानित किया। मौके पर डायरेक्टर रिसर्च डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. रामबटुक सिंह, डॉ. अनिल सचान, डॉ. विवेक कटियार, डॉ. सौरभ सोनकर, डॉ. अभिनव सिंह, डॉ. शक्ति सिंह मौजूद रहे। (संवाद)